दृष्टि पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित पुस्तकें : **जी.एस. प्रैक्टिस पेपर्स, सी-सैट प्रैक्टिस पेपर्स, आर्थिक परिदृश्य 2016** और **भारत 2016 (सार संग्रह)** Buy Now (http://www.drishtiias.com/articles-New-Release-Books)

English (http://www.drishtiias.com/) Register (register.php) Login (login.php)

8750187501 or 011-47532596

Home (Index.Php)› करेंट अफेयर्स (Current-Affairs-Daily-Hindi.Php) Hits: 13191

आर्थिक समीक्षा 2015-16

Feb 27, 2016

More Articles (ias-current-affairs-economic-events)

Google द्वारा विज्ञापन

► Hindi daily

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 26 फ़रवरी को संसद में आर्थिक समीक्षा 2015-16 पेश की. इस समीक्षा में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के पथ पर तेजी से कदम बढ़ा रही है, क्योंकि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार, राजकोषीय मोर्चे पर विवेकपूर्ण कदमों और मूल्य स्थिरता पर ध्यान केन्द्रित करने की बदौलत वृहत-आर्थिक संवेदनशीलता कम हो गई है।

Preview from Notesale.co.uk
Page 1 of 9

प्रमुख बिंदु

- कीमतों में नरमी की स्थिति और देश के बाह्य चालू खाते के संतोषजनक स्तर को देखते हुए अगले दो वर्षों में 8 प्रतिशत या उससे अधिक विकास दर हासिल करना अब संभव दिखाई दे रहा है।
- सरकार सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह के तीव्र विकास के लिए जो मौजूदा स्थितियां हैं, उनमें वृहत-आर्थिक स्थिरता सहायक साबित हो रही है।
- वर्ष 2016-17 के दौरान आर्थिक विकास दर 7 से लेकर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।
- वर्ष 2014-15 में 7.2 प्रतिशत और वर्ष 2015-16 में 7.6 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करने के बाद 7 प्रतिशत से ज्यादा की विकास दर ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से विकास करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना दिया दिया है।
- वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान अब और अधिक मूल्यवान हो गया है, क्योंकि चीन फिलहाल अपने को फिर से संतुलित करने में जुटा है।
- भारत में विकास के मोर्चे पर जो तेजी देखी जा रही है, वह मुख्यत: खपत की वजह से संभव हो रही है।